ईवी प्लांट लगा तो लखनऊ बनेगा मोटर सिटी

लखनऊ, विशेष संवाददाता। हिंदुजा समूह द्वारा यूपी में लगाए जाने वाला इलेक्ट्रिक व्हीकल प्लांट परियोजना के जरिए राज्य में 1500 करोड़ रुपये का निवेश होगा। हिंदुजा समूह ने इस प्लांट के लिए लखनऊ की स्कूटर इंडिया की खाली जमीन के अलावा प्रयागराज की जमीन देख ली है। माना जा रहा है कि यह प्रोजेक्ट लखनऊ में ही लगेगा। इस परियोजना के आने से कलपूर्जे बनाने वाले छोटे-छोटे उद्योगों को भी बढ़ावा मिलेगा। तैयार वाहनों के ले जाने के लिए ट्रांसपोर्टेशन के भी क्षेत्र में बढ़ावा मिलेगा।

असल में प्रस्तावित इकाई में

15 अरब रुपये से हिन्दुजा समूह यूपी में ईवी प्लांट लगाने को तैयार

- लखनऊ में स्कूटर इंडिया की खाली पड़ी जमीन का चयन संभव

कमर्शियल इलेक्ट्रिकल वाहन ही बनेंगे। भविष्य में प्रदूषण के मद्देनजर सरकार का पूरा फोकस ऐसी ही वाहनों की ओर है। अगर लखनऊ में हिंदुजा समूह के अशोक लीलैंड कंपनी ने यह प्लांट लगाया तो नवाबों का यह अमेरिका के शहर डेट्रायट की तरह मोटरसिटी के रूप में भी जाना जाएगा। यही नहीं हाल के वर्षों में गुजरात और दक्षिण भारत को छोड़ दें तो उत्तर प्रदेश में किसी दिग्गज आटो कंपनी का यह पहला और बड़ा निवेश होगा। इसके पहले पश्चिम बंगाल के कोलकाता में अंबेसडर और हरियाणा के मानेसर में मारुति सुजुकी ने इस सेक्टर में बड़ा निवेश किया था।

एक ट्रिलियन लक्ष्य में भी मिलेगी मदद: ऑटोमोबाइल उद्योग का देश की कुल जीडीपी में योगदान करीब 21 फीसदी है। करीब दो करोड़ लोगों को इस सेक्टर में रोजगार मिला हुआ है। सेक्टर के प्रगति की दर यही रही तो 2030 तक इस क्षेत्र में करीब पांच करोड़ लोगों को रोजगार मिलेगा। तब इसमें उत्तर प्रदेश का भी एक बड़ा योगदान होगा। यह एक ट्रिलियन डॉलर की अर्थवयस्था का लक्ष्य हासिल करने में भी मददगार होगा। भारत इस समय दुनिया में ट्रैक्टर उत्पाद में नंबर एक, बस उत्पादन में नंबर दो और भारी ट्रक उत्पादन करने में तीसरे नंबर पर है। अनुमान है कि अगले कुछ वर्षों में भारत ई-कारें उत्पादित करने के मामले में तीसरे नंबर पर होगा।